

न्यायालय सहायक कलक्टर जायल जिला नागौर
पिठारीन अधिकारी श्री सुरेश कुमार प्रथम (आर०ए०एस०)

राजस्व वाद संख्या- 29/2019

- 1- मनीराम पुत्र झूमरराम।
- 2- मुरली मनोहर पुत्र झूमरराम।
- 3- रामकिशोर पुत्र झूमरराम।
- 4- सुरेश पुत्र झूमरराम जातिमान जाट निवासीगण रोल तहसील जायल जिला नागौर।

वादीगण

बनाम

- 1- झूमरराम पुत्र राममुख जाति जाट निवासी रोल तहसील जायल जिला नागौर।
- 2- सदरकर जरिये तहसीलदार जायल जिला नागौर।

प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88 व 188 राजस्थान कारतकारी अधिनियम

उपरिष्ठत अधिवक्तागण-

- 1- अधिवक्ता श्री जीयाराम गौदारा वादीगण की ओर से।
- 2- अधिवक्ता श्री शिवकुमार पाराशर प्रतिवादी सं 01 की ओर से।

-: निर्णय :-



दिनांक-28.8.19

वादी वादीगण का संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि वादीगण व प्रतिवादीगण एक ही परिवार के सदस्य है वादीगण व प्रतिवादीगण के बड़े की पुत्रीनी भूमि मौजा रोल के खेत खसरा नम्बर 256 रकबा 30 बीघा 07 बिरवा एवं खेत खसरा नं. 296 रकबा 7 बीघा 14 बिरवा कुल रकबा 38 बीघा 01 बिरवा रहती चली आई है। वादीगण व प्रतिवादीगण आपसी सहमति व जुवानी बटवाडा सम्बत 2070 को आखातीज को कर लिया है। बटवाडा स्कीम निम्न प्रकार है-

1. यह है कि वादी सं 01 मनीराम के हक बट कब्जाकारत व खातेदारी में वाके मौजा रोल के खेत खसरा नं. 296 रकबा 07 बीघा 14 बिरवा एव खेत खसरा नं. 256 रकबा 30 बीघा 07 बिरवा में से 1 बीघा 16 बिरवा मध्य भाग रखा गया है।
2. वादी सं. 02 मुरली मनोहर के हक बट कब्जाकारत व खातेदारी में वाके मौजा रोल के खेत खसरा नं. 256 रकबा 30 बीघा 07 बिरवा में से 09 बीघा 10 बिरवा दक्षिणी हिस्सा रखा गया है।
3. वादी सं. 03 रामकिशोर के हकबट कब्जाकारत व खातेदारी में वाके मौजा रोल के खेत खसरा नं. 256 रकबा 30 बीघा 07 बिरवा में से 09 बीघा 11 बिरवा पश्चिमी हिस्सा रखा गया है।
4. वादी सं. 04 सुरेश के हकबट कब्जाकारत एवं खातेदारी में ग्राम रोल के खेत खसरा नं. 256 रकबा 30 बीघा 07 बिरवा में से 09 बीघा 10 बिरवा उत्तरी हिस्सा रखा गया।
5. प्रतिवादी सं. 01 झूमरराम 90 वर्षीय जुजुर्ग होने से तथा चलने फिरने में असमर्थ होने से उनके हकबट में नगदी व गौर बाडे रखे गये है।

अतः दावा पेश कर इस्तदुआ वादीगण है कि वाद के पैरा संख्या 02 के उप पैरा क, ख, ग, घ व ड के अनुसार डिक्री सादिर फरामाई जावे।

वाद वादीगण का दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी को नोटिस जारी किये गये। प्रतिवादी सं. 01 की ओर से वकील श्री शिवकुमार पाराशर ने ईकबाली जवाब प्रस्तुत किया।

52962
सहायक कलक्टर (एस.डी.ओ.)
जायल जिला नागौर

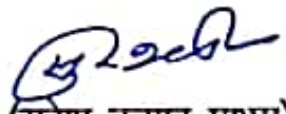
वादीगण व प्रतिवादीगण सं. 01 के बीच सहमति होने के कारण वाद में विवादक बिन्दु तय नहीं किये गये। प्रकरण में विद्ववान अधिवक्ताओं वकील वादीगण व वकील प्रतिवादीगण सं. 01 की बहस सुनी गई। वकील वादी ने वाद पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए वाद पत्र में अंकित तथ्यों के अनुसार खातेदारी घोषित की जाकर राजस्व रिकॉर्ड में अगल दरामद हेतु तहसीलदार जायल को तहरीर जारी की जाकर वाद को निर्णित करते हुए वाद को डिक्री किये जाने का अनुरोध किया।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। विद्ववान अधिवक्ताओं की बहस पर मनन किया गया। सभी पक्षकारों में सहमति होने के कारण सहमति के अनुसार वादीगण का वाद निम्न प्रकार से स्वीकार कर डिक्री किया जाता है :-

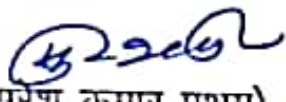
-: आदेश :-

अतः उपरोक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों के आधार पर वाद वादीगण का स्वीकार किया जाकर डिक्री किया जाता है। इसी माफिक डिक्री पत्रा भरा जाकर तहसीलदार जायल को राजस्व रिकॉर्ड में अगल दरामद जारी हो।




(सुरेश कुमार प्रथम)
सहायक क्लर्क (एस.डी.ओ.)
जायल, जिला नागौर

निर्णय आज दिनांक 28.08.2019 को मंरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(सुरेश कुमार प्रथम)
सहायक क्लर्क (एस.डी.ओ.)
जायल, जिला नागौर